सरकार के साथ निजी फंडिंग भी मिल रही स्टार्टअप्स को

स्टार्टअप्स की रेस में देश में चौथे पायदान पर पहुंचा राजस्थान

जयपुर . झालाना स्थित टेक्नोहब में ग्लोबल इन्वेस्टर मीट के दौरान अपने आइडिया को साझा करते प्रतिभागी।

इन सेक्टर में ज्यादा स्टार्टअप

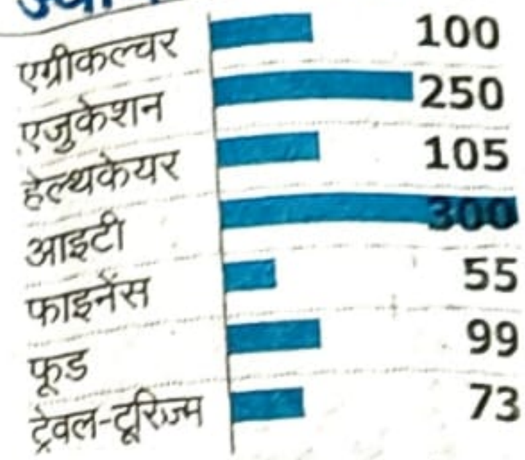

(जोधपुर, जयपुर व कोटा स्थित इंक्यूबेशन सेंटर में अब तक इन सेक्टर में स्टार्टअप्स पर काम हुआ)

अमरीका स्थित सिलिकॉन वैली के इन्वेस्टर्स ने राज्य के 7 स्टार्टअप्स का किया चयन, करेंगे निवेश

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

जयपुर . प्रदेश के युवा सफल स्टार्टअप आइडिया की रेस में लगातार आगे बढ़ रहे हैं। यही कारण है कि राजस्थान स्टार्टअप्स की रेस में देश में चौथे पायदान पर पहुंच गया है। युवा अच्छी कम्पनी में मोटे पैकेज छोड़कर स्टार्टअप शुरू कर रहे हैं। युवाओं के नवाचार के आइडियाज बड़े बिजनेस की शक्ल ले रहे हैं।

राजस्थान से दो स्टार्टअप्स यूनिकॉर्न बन चुके हैं। सरकार के साथ-साथ निजी इन्वेस्टर्स भी प्रदेश के युवाओं के स्टार्टअप्स में रुचि दिखा रहे हैं। ग्लोबल इन्वेस्टर्स ने भी हमारे स्टार्टअप्स में निवेश किया है। राज्य में अब तक 2979 स्टार्टअप्स रजिस्टर्ड हुए हैं। इनमें से 440 स्टार्टअप्स से जुड़े लोगों को 24.81 करोड़ रुपए की फंडिंग और 185 स्टार्टअप्स को लोन के रूप में 16.14 करोड़ दिए जा चुके हैं ताकि वे तेजी से आगे बढ़ सकें। 236 करोड़ से ज्यादा राशि का निवेश हो चुका है।

राजस्थान में रहकर यहीं के विकास के लिए करेंगे नवाचार

सूचना प्रौद्योगिकी विभाग व आइ-स्टार्ट की ओर से गुरुवार को झालाना स्थित टेक्नोहब में ग्लोबल इन्वेस्टर मीट का आयोजन किया गया। इसमें सिलिकॉन वैली, अमरीका से आए 15 इन्वेस्टर्स ने हिस्सा लिया। इन्वेस्टर्स के सामने 25 स्टार्टअप्स ने अपने आइडिया को साझा किया। शॉर्क टैंक की तर्ज पर हुई इस ग्लोबल मीट में निवेशकों ने 7 स्टार्टअप्स का चयन किया। ये स्टार्टअप्स एजुटेक, टैक्सटाइल, एग्रीटेक, मेटावर्स, ई कॉमर्स मार्केटप्लेस क्षेत्र के हैं। सात में चार स्टार्टअप जयपुर, दो जोधपुर व एक गुरुग्राम (राज्य में कार्यरत) का है। निवेशक चयनित स्टार्टअप्स में निवेश करेंगे। स्टार्टअप्स राजस्थान में रहकर यहीं के विकास के लिए ही काम करेंगे।

कई सेक्टर में स्टार्टअप का बूम

स्टार्टअप अब केवल आइटी सेक्टर तक ही सीमित नहीं हैं बल्कि शिक्षा, चिकित्सा व कृषि के क्षेत्र में भी इसका बूम है। राज्य में अभी तक आइटी सेक्टर के बाद शिक्षा के क्षेत्र में सर्वाधिक स्टार्टअप रजिस्टर हुए हैं। इन स्टार्टअप्स ने शिक्षा को सुलभ बना दिया है। घर बैठे भी बच्चे स्कूल से लेकर विदेशी विवि से शिक्षा ले पा रहे हैं।

विशेष पेज@10